



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 22]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 16, 1979/पौष 26, 1900

No. 22]

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 16, 1979/PAUSA 26, 1900

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

निर्यात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० 9-ई टी सी (पी एन)/79

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1979

विषय : गेहूँ के उत्पाद अर्थात् मैदा, रावा, सूजी, परिणामी घाटा और गेहूँ की भूसी का निर्यात।

मि० सं० 40/26/78-ई०-II:—उपर्युक्त विषय पर वाणिज्य विभाग के निर्यात (नियंत्रण) आदेश सं० ई(सी) ओ, 1977/ए एम (92), दिनांक 16 जनवरी, 1979 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

2. 1978-79 की निर्यात-नीति के खंड-II के पृष्ठ 18 पर क्रम सं० 39 के सामने वर्तमान प्रविष्टि को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायगा :—

39 गेहूँ के उत्पाद, अर्थात् मैदा, रावा, सूजी, परिणामी घाटा और गेहूँ की भूसी। निर्यात की अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन दी जाएगी :—

- (1) समिति उच्चतम सीमा के भीतर निर्यात की स्वीकृति दी जाएगी;
- (2) वीट रोलर फ्लोर मिल (लाइसेंस एवं नियंत्रण) आदेश, 1957 में यथापरिभाषित यदि निर्यातक स्वयं रोलर मिल नहीं है तो उसे ऐसे रोलर मिल को नामजद करना पड़ेगा और निर्यात आधार को पूरा

करने के लिए ऐसे रोलर मिल के साथ संयुक्त बांड को संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी के पास प्रस्तुत करना पड़ेगा।

- (3) निर्यातक द्वारा आवेदन करने और उपर्युक्त उल्लिखित जहाँ कहीं आवश्यक हो संयुक्त बांड के निष्पादन करने पर लाइसेंस प्राधिकारी भारत के खाद्य निगम (संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय) के नाम में एक रिहाई आदेश जारी करेगा ताकि निर्यात आदेश को पूरा करने के लिए रोलर मिल को गेहूँ के संभरण को उपलब्ध कराया जा सके।
- (4) गेहूँ की उस मात्रा के लिए रिहाई आदेश जारी किया जाएगा, जिसमें कम से कम 20 प्रतिशत तक गेहूँ की भूसी निकालने और 1 प्रतिशत अपवर्तन की स्वीकृति होगी और शेष 79 प्रतिशत जैसा कि निर्यात आदेश को पूरा करने के लिए आवश्यक है मैदा, रावा, सूजी और परिणामी घाटे के लिए होगा।
- (5) उपर्युक्त उल्लिखित अनुसार रोलर मिल द्वारा उत्पादित सीमा तक

ही गेहूं की भूसी का निर्यात करने की नियमित को अनुमति होगी जो कि किसी भी मामले में भारत के खाद्य निगम द्वारा संभरित गेहूं के 22 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी और ऐसी स्वीकृति निर्यात को तभी दी जायेगी जब वह मैदा, रावा, सुजी और परिणामी आटे के संबंध में निर्यात आधार को पूरा करने का साध्य लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देता है;

- (6) साधारणतः निर्यात आदेश में उपर्युक्त कठिका (4) के अनुसार संभरित गेहूं में से उत्पादित संपूर्ण गेहूं उत्पाद होने चाहिये किन्तु किसी भी मामले में (क) यदि कम से कम 70 प्रतिशत तक भूसी का निर्यात सम्मिलित हो और (ख) यदि भूसी का निर्यात सम्मिलित नहीं हो तो इस योजना के अन्तर्गत ऐसे उत्पादित गेहूं उत्पाद के 60 प्रतिशत तक के निर्यात की स्वीकृति दी जाएगी;
- (7) उपर्युक्त उल्लिखित निर्यात आदेश के निष्पादन के बाद रोलर मिल के पास मैदा/रावा/सुजी/परिणामी आटे की जो मात्रा बच जाती है वह सम्बद्ध अधिनियम के अनुसार खुले बाजार में बेचने के लिए उपलब्ध होगी।

का०वें० पोषाद्रि, मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE CIVIL SUPPLIES & COOPERATION

(Department of Commerce)

EXPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 9-ETC (PN)/79

New Delhi, the 16th January, 1979

Subject : Export of Wheat Products viz., Maida, Rawa, Suji, Resultant Atta and Wheat Bran.

F.NO. 40/26/78E-II—Attention is invited to Department of Commerce Exports (Control) Order, No. E (C) O, 1977/AM(92) dated the 16th January, 1979, on the above subject.

2. The existing entry, against S.No. 39 at page 18 of Section II of the Export Policy, 1978-79, shall be substituted by the following :

39. Wheat Products, viz., Maida, Rawa, Suji, Resultant Atta and Wheat Bran.
- Export will be allowed, subject to the following conditions :
- Export will be allowed within a limited ceiling.
 - If the exporter is himself not a roller mill, as defined in the Wheat Roller Flour Mills (Licensing and Control) Order, 1957, he will have to designate such a roller mill and furnish to the licensing authority concerned a joint bond with such roller mill for fulfilling the export obligation ;

(iii) On an application from the exporter, and also the execution of the joint bond as above in a case where this is necessary, the licensing authority will issue a Release Order on the Food Corporation of India (Regional Office concerned) to enable the roller mill to obtain supplies of wheat for the fulfilment of the export order ;

(iv) The quantity of wheat for which the Release Order will be issued will allow for a minimum extraction of 20% by way of wheat bran and 1% of refraction, the remaining 79% being for Maida, Rawa, Suji and Resultant Atta, as is required for fulfilling the export order ;

(v) Export of Wheat bran to the extent produced by the roller mill in accordance with the above, but not exceeding 22% of wheat supplied by the Food Corporation of India for the purpose in any case, will also be allowed for export by the exporter, on his giving to the licensing authority evidence of the fulfilment of the export obligation in respect of Maida, Rawa, Suji and Resultant Atta ;

(vi) Ordinarily, the export order should cover the entire wheat products produced out of the wheat supplied in accordance with (iv) above, but in any case : (a) if export of bran is also involved, at least 70% and (b) if export of bran is not involved, at least 60%, of the wheat products so produced shall be exported under the scheme ;

(vii) Such quantity of Maida Rawa/Suji/Resultant Atta as is left with the roller mill, after the execution of the export order as above, will be available for its disposal in the open market in accordance with the relevant statute.

K. V. SESHADRI

Chief Controller of Imports & Exports